JOHANNES GUTENBERG UNIVERSITÄT MAINZ

EMBARGOED UNTIL TUESDAY, 20 JANUARY 2015, 9:00 PM UTC

प्रेस विज्ञप्ति

संकाय 05:
दर्शनशास्त्र और भाषाविज्ञान

दर्शनशास्त्र विभाग

'Open MIND'—मस्तिष्क, स्मरणशक्ति और चेतना से संबंधित मूल शोध प्रकाशनों के संकलन तक मुक्त पहुंच शीघ्र ही ऑनलाइन निःशुल्क उपलब्ध हो जाएगी

MIND Group अकादमिक पुस्तकों के स्वायत्त प्रकाशन में मार्ग प्रशस्त करता है / **92** लेखकों और उद्घोषकों ने **'Open MIND'** संकलन में योगदान किया है

मेंज़-आधारित दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर टॉमस मेटजिंगर द्वारा संचालित MIND Group ने विशेष वार्षिकोत्सव मनाने के लिए विचित्र एवं नवोन्मेषी तरीका चुना है। कांफरन्स जैसे एकबारगी कार्यक्रम का आयोजन करने की बजाए प्रोफेसर टॉमस मेटजिंगर और डा. जेनिफर विंडत लेखों के एक संकलन को संपादित कर रहे हैं जिसमें स्मरणशक्ति तथा मस्तिष्क, और स्वयं पर अत्याधुनिक शोध प्रलेखित है। संकलन http://www.open-mind.netपर रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए निःशुल्क उपलब्ध होगा और इसे बाद में 2,000 पृष्ठों की पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। परियोजना जोहान्स गुटनबर्ग विश्वविद्यालय मेंज़ (जेजीयू) के एडवांस्ड अंडरग्रेजुएट और ग्रेजुएट छात्रों की स्थानीय टीम द्वारा समर्थित। MIND Group के 92 जूनियर और सीनियर सदस्यों द्वारा लेख लिखे गए थे जिनमें दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, और तंत्रिका विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शोधकर्ता शामिल थे। संकलन, जिसके बारे में अंतरराष्ट्रीय प्रेस के समक्ष घोषणा की जा रही है, MIND Group की 20वीं बैठक और 10 से अधिक वर्षों की इसकी मौजूदगी का स्मरणोत्सव मनाता है।

प्रोफेसर टॉमस मेटजिंगर ने युवा जर्मन दर्शनशास्त्रियों को ऐसा मंच प्रदान करने के लिए 2003 में MIND Group की स्थापना की थी जो अंतरराष्ट्रीय शोध समुदाय में संपर्क स्थापित करने और स्मरणशक्ति के समकालीन दर्शनशास्त्र में नवीनतम विकास में भागीदारी करने में उनकी सहायता करेगा। भिन्न देशों के एडवांस्ड अंडरग्रेजुएट छात्रों, डॉक्टरेट के अभ्यर्थियों और युवा शोधकर्ताओं का सदा परिवर्तित होता ग्रुप

मशहूर वक्ताओं के साथ फ्रेंकफर्ट अम मेन, जर्मनी में वर्ष में दो बार में मिलता है। बैठकें आमतौर पर फ्रेंकफर्ट इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज़ (एफआयएएस) जिसने कई वर्षों से ग्रुप को व्यवस्थापन संबंधी समर्थन प्रदान किया है, के अतिथि गृह में होती हैं। बैठकों को म्यूनिच स्थित बारबरा वेंगेलेर फाउंडेशन द्वारा वित्तीय समर्थन प्रदान किया जाता है। मेंज विश्वविद्यालय में सैद्धान्तिक दर्शनशास्त्र ग्रुप और न्यरोएथिक्स रिसर्च ग्रुप के निदेशक मेटजिंगर कहते हैं, "मैं युवा शोधकर्ताओं को प्रायोजित करने का नवोन्मेषी तरीका ढूंढ रहा था।" जूनियर सदस्यों का अग्रणी शिक्षकों से परिचय कराने के अलावा, MIND Group स्मरणशक्ति या नीतिशास्त्र के विश्लेषणात्मक दर्शनशास्त्र के क्षेत्रों में काम कर रहे विद्वानों और संज्ञानात्मक तंत्रिकाविज्ञान में अनुभवजन्य शोध कर रहे शोधकर्ताओं के बीच मुलाकातों को भी प्रोत्साहित करता है। इस तरह, बैठकें एक बड़े नेटवर्क के निर्माण में योगदान देती हैं जो नवीन, पथप्रदर्शक सिद्धांतों का अनुशीलन करता है और अंतरविषयक नवोन्मेषी रूपों को विकसित करता है।

इस लाभप्रद सहयोग का एक परिणाम है 'Open MIND' मुक्त पहुंच संकलन—जो कई तरीकों से पथप्रदर्शक परियोजना है। संकलन में 39 मूल लेख हैं, जिनमें से प्रत्येक के बाद व्याख्या और उत्तर दिए हैं। "इनमें से प्रत्येक पुस्तक की चार बार समीक्षा की गई थी जिसमें हमारे जूनियर सदस्यों ने अपनी खुद की टिप्पणियां लिखने के साथ-साथ संपादन किया और अज्ञात रूप से उनके मित्रों,लेकिन साथ ही प्रतिष्ठित शिक्षकों तथा शोधकर्ताओं द्वारा लिखे गए पत्रों की समीक्षा की। हमारे जूनियर सदस्यों ने संपूर्ण परियोजना के सभी चरणों में सक्रिय तौर पर भागीदारी की, नए अकादमिक कौशल सीखें, और स्वायत्त इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन की प्रक्रिया की प्रत्यक्ष जानकारी हासिल की," मेटजिंगर बताते हैं। ग्रुप ने प्रमुख अकादमिक जर्नल द्वारा प्रयोग की जाने वाली समकक्ष समीक्षा प्रक्रिया की तुलना में अपना खुद का पेशेवर गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र स्थापित किया। उसी समय, प्रकाशन की गति लगभग सभी स्थापित प्रकाशन संस्थाओं तथा जर्नल से अधिक थी—जो परियोजना का अन्य प्रयोजन था। संकलन मात्र दस माह की अवधि में प्रकाशन के लिए तैयार हो गया था।

रुचि रखने वाले उन सभी लोगों, परंतु विशेष तौर पर शोधकर्ताओं तथा छात्रों के लिए, 'Open MIND' संकलन दर्शनशास्त्र, संज्ञानात्मक विज्ञान, और तंत्रिकाविज्ञान के क्षेत्रों में नवीनतम काम तक पहुंच प्रदान करता है। शामिल किए गए विषयों में चेतना विचार प्रक्रियाओं के आधार से लेकर बोध, अभिज्ञता तथा नीतिशास्त्र शामिल है। मौलिकता और अंशदाताओं से दूरंदेशी, नवोन्मेषी गुणवत्ता के लिए कड़े मानक तय किए गए थे। फ्रेंकफर्ट आधारित न्यूरोफिजिस्ट वोल्फ सिंगर ने खोज के क्षेत्र में इस्तेमाल की गई इमेजिंग तकनीक सहित चेतना के तंत्रिका संबंधी परस्पर संबंधों तथा समीक्षा की पद्धतियों के लिए शोध की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की। टफ्ट्स विश्वविद्यालय के स्मरणशक्ति के अग्रणी दर्शनशास्त्री डेनियल डेन्नट्ट बताते हैं कि चेतना भग्न क्यों हो सकता है। और जोहान्स गुटनबर्ग विश्वविद्यालय मेंज़ में प्रायोगिक मनोविज्ञानी हिको हेच्ट नए प्रश्न करते हैं कि भ्रम वस्तुत: किससे बनता है।

"इस संकलन से, हम पर्याप्त एवं नवोन्मेषी अंशदान करना चाहते हैं जिसका स्मरणशक्ति तथा मस्तिष्क संबंधी अंतरराष्ट्रीय चर्चा पर बड़ा और पर्याप्त प्रभाव होगा," टॉमस मेटजिंगर और डा.जेनिफर विंडत बताते हैं। "लेकिन हम इलेक्ट्रॉनिक संसाधन भी बनाना चाहते हैं जिसका इस्तेमाल आने वाले वर्षों में भारत, चीन, या ब्राजील जैसे देशों में विशेषाधिकृत छात्र तथा शोधकर्ता भी कर सकते हैं। परियोजना को बौद्धिक संपदा के दान के रूप में भी देखा जा सकता है: मानक अकादमिक कांफरन्स के आयोजन द्वारा अपनी 20$^{वीं}$ वर्षगांठ मनाने की बजाए जिससे भारी मात्रा में CO_2 फुटप्रिंट सृजित होगा, हम कुछ अमूल्यवान सृजित करना चाहते थे जिससे —न केवल दुनिया के संपन्न भागों में शोधकर्ताओं और शिक्षकों का लाभ हो लेकिन हरेक व्यक्ति का लाभ हो। हमारे जूनियर सदस्यों के अंशदान के लिए अंतरराष्ट्रीय तौर पर विख्यात मंच प्रदान करना भी हमारे लिए विशेष तौर पर महत्वपूर्ण था। सामान्यत:, 'Open MIND' शीर्षक का अर्थ अकादमिक दर्शन के नवीकृत रूप के लिए निरंतर खोज है जो बौद्धिक मेहनत से जुड़ी है, प्रायोगिक शोध के परिणामों को गंभीरता से लेता है, और साथ ही नीतिगत तथा सामाजिक मुद्दों के

प्रति संवेदनशील रहता है। इस प्रक्रिया में, दर्शनशास्त्र में अकादमिक शिक्षण अनेक प्रकार से खुलेगा। वर्तमान स्थिति में, नवोन्मेषी प्रकाशन के रूपों के प्रति केवल यथार्थ एवं शुद्ध उदारता की जरूरत नहीं है लेकिन साथ ही अन्य शिक्षण, ज्ञान प्राप्त करने तथा ज्ञानमीमांसा संबंधी प्रगति करने की नई पद्धतियों तथा बहुविषयक सहयोग के नए रूपों की भी जरूरत है। अगर ऐसा होता है, तो दर्शनशास्त्र खुद ही आगामी कुछ वर्षों में मूलभूत रूप से बदल जाएगा। 'Open MIND' संकलन का प्रयोजन इस प्रक्रिया में अंशदान करना है।"

संकलन 19 जनवरी, 2015 से http://www.open-mind.net पर उपलब्ध हो जाएगा। परियोजना को बारबरा वेंगेलेर फाउंडेशन, फोक्सवेगन फाउंडेशन, और जोहान्स गुटनबर्ग विश्वविद्यालय मेंज़ के गुटनबर्ग रिसर्च कॉलेज (जीआरसी) से वित्तीय समर्थन प्राप्त हुआ।

Image:
http://www.uni-mainz.de/bilder_presse/philos_open_mind_local_team.jpg
The editors of the 'Open MIND' collection, Professor Thomas Metzinger (back row, 2nd fltr) and Dr. Jennifer Windt, together with 92 junior and senior members of the MIND Group and a local team of advanced undergraduate and graduate students at Johannes Gutenberg University Mainz produced the open access collection within only a little more than ten months.
photo/©: Stefan F. Sämmer, JGU

Further information:
Professor Dr. Thomas Metzinger
Department of Philosophy
Johannes Gutenberg University Mainz (JGU)
D 55099 Mainz, GERMANY
phone +49 6131 39-23279
fax +49 6131 39-24429
e-mail: mind@uni-mainz.de
http://www.open-mind.net

Related link:
http://fias.uni-frankfurt.de/mindgroup/